RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार, 27 फरवरी 2023 वर्ष 04 अंक 268 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई में बोले सीएम शिंदे- एक आरोप के बदले करूंगा 10 अच्छे काम, संजय राउत पर भी ली चुटकी

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को अपने विरोधियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुंबई को शंघाई जैसा बनाने का सपना देखने की जरूरत नहीं है, बल्कि महानगर को अंतरराष्ट्रीय स्तर का शहर बनाने पर ध्यान देने की जरूरत है। शिंदे ने यह भी कहा कि उन्हें कुछ ठेकेदारों के प्रभाव को हटाने और लोगों को बेहतर सड़कें और सेवाएं देने के लिए बीएमसी चुनाव जीतने की जरूरत है।

शिंदे मुंबई में एक सार्वजनिक समारोह में बोल रहे थे जहां उन्होंने 320 विभिन्न परियोजनाओं पर काम शुरू किया। उन्होंने कहा, 'मुंबई को शंघाई जैसा बनाने का सपना देखने की जरूरत नहीं है। हमें शहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने की जरूरत

है। हम कई सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी स्थापित कर रहे हैं, जो इस्तेमाल किए गए पानी को ट्रीट करेंगे और केवल साफ पानी समुद्र में छोड़ेंगे।'

आलोचना का जवाब देने के बजाय काम करना पसंद है

शिंदे ने आगे कहा कि वह आलोचना का जवाब नहीं देंगे क्योंकि वह बात करने के बजाय काम करना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, 'यदि आप मुझ पर एक आरोप लगाते हैं, तो मैं जवाब में मुंबई शहर में 10 अच्छे काम करूंगा।' इस दौरान मुख्यमंत्री ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत का नाम लिए बगैर उन्होंने चुटकी ली। मुख्यमंत्री ने कहा, 'पहले मुंबई में मिल के सायरन हुआ करते थे, जिस पर हर कोई ध्यान देता था। अब केवल एक ही सायरन है और किसी को इस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है।'

वहीं कार्यक्रम में उपस्थित उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि एक साथ कई काम शुरू हो रहे हैं, इसलिए मुंबईकरों को अगले महीनों तक असुविधा और ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'एक बार जब सभी सड़कों का निर्माण ठीक से हो जाएगा, तो ट्रैफिक जाम नहीं होगा और प्रदूषण नियंत्रण में रहेगा।'

महाराष्ट्र में किसान पस्त और शिंदे सरकार मस्त

नेता विपक्ष अजीत पवार का बड़ा हमला...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र का किसान एक तरफ संकट में फंसा हुआ है तो दूसरी तरफ सरकार अपने प्रचार प्रसार में करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा रही है. नेता विपक्ष अजित पवार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनकी सरकार पर जमकर हमला बोला है. पवार ने कहा कि पिछले 6 महीनों में सरकार विज्ञापन पर 50 करोड़ खर्च कर चुकी है सोमवार से शुरू हो रहे महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र से पहले विपक्ष ने सरकार को कई मुद्दों पर खेलने के संकेत दिए हैं.

'CM के बंगले पर खाने का खर्च 2 करोड़'

अजित पवार ने नासिक के प्याज उत्पादक किसान का उदाहरण बताते हुए सरकार की विफलता को जनता के सामने रखा. पवार ने बताया कि राजेंद्र तुकाराम चव्हाण नाम के प्याज

उत्पादक किसान ने 50 किलो प्याज मंडी में बेचा. गाड़ी का भाड़ा, धुलाई, मजदूरी का पैसा काटने के बाद राजेंद्र चव्हाण को केवल 2 का चेक मंडी से दिया गया. चव्हाण ने नेता विपक्ष से पूछ रहा है कि वह क्या करें आत्महत्या के सिवाय दूसरा कोई चारा नहीं? इस मुद्दे को जनता के सामने रखते हुए अजित पवार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को भी निशाने पर लिया पवार ने कहा कि पिछले 4 महीनों में मुख्यमंत्री के आधिकारिक निवास वर्षा पर खाने-पीने और चाय के लिए दो करोड़ 38 लाख रुपए खर्च किए गए हैं. जनता के पैसों का इस तरह से दुरुपयोग पहली बार दिखाई पड़ रहा है.

'3000 फाइल सीएम दफ्तर में धूल खा रही हैं'

खुद को आम आदमी का मुख्यमंत्री बताने वाले सीएम एकनाथ शिंदे पर तंज कसते हुए अजित पवार ने कहा कि आम आदमी से जुड़ी हुई लगभग 3000 फाइल सीएम दफ्तर में इसलिए धूल खा रही हैं.

ओवैसी का उद्धव-पवार पर तंज ! जरूरत के समय मुस्लिमों का साथ नहीं दिया

ठाणे : ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मुस्लिम युवाओं से आह्वान किया कि वे देश में अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए मजबूत ताकत बनकर उभरें। उन्होंने इसके साथ ही उद्धव ठाकरे और शरद पवार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि इन नेताओं ने जरूरत के समय मुस्लिम समुदाय का साथ नहीं दिया। ओवैसी महाराष्ट्र के ठाणे जिले स्थित मुंब्रा इलाके में शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने मुस्लिम समुदाय के युवाओं से सवाल किया, ''अगर अजित पवार, सुप्रिया सुले, शरद पवार, उद्धव ठाकरे, एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस नेता बन सकते हैं तो आप क्यों नहीं? ओवैसी ने कहा कि एआईएमआईएम की स्थापना 65 साल पहले कुछ मुट्ठी भर लोगों ने की थी और कुछ लोग ही उसकी बैठकों में शामिल होते थे लेकिन अब यह संख्या हजारों में जा चुकी है। उन्होंने कहा, ''हमारी मौजूदगी संसद, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों में है और यह लगातार बढ़ रही है। युवाओं को चाहिए कि वे चुनाव के जरिये प्रशासन में जाने की भी कोशिश करें। ओवैसी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे आगे आएं, एआईएमआईएम को मजबूत बनाएं और मुस्लिमों एवं दलितों के अधिकारों के लिए लड़ें। ओवैसी ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए जानना चाहा कि ''जब हमारे (मुस्लिम) समुदाय के सदस्यों का उत्पीड़न हो रहा था तब वह चुप क्यों थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने के लिए एआईएमआईएम का समर्थन चाहते हैं। ओवैसी ने आरोप लगाया, ''लेकिन, संकट के समय जब मुस्लिम समुदाय को समर्थन की जरूरत होती है तो वह भूल जाते हैं, वह कभी आगे नहीं आए, हमें अपने नसीब पर छोड़ दिया। यह किस तरह की धर्मनिरपेक्षता है?

उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि उसके नेताओं को ''भारत जोड़ो यात्रा और अन्य गतिविधियों के लिए समय है लेकिन भीड़ हिंसा और अन्य घटनाओं में मारे गए लोगों के परिवारों से मिलकर संवेदना व्यक्त करने के लिए समय नहीं है।

महिला की मौत के नौ महीने बाद तीन लोगों पर हत्या का मामला दर्ज

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक 75 वर्षीय महिला को उसके घर में मृत पाए जाने के नौ महीने बाद पुलिस ने उसके मकान मालिक, उसकी पत्नी और बेटे के खिलाफ हत्या और सबूत नष्ट करने का मामला दर्ज किया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मृतका वहीदाबी नूरमोहम्मद शेख विधवा थी और वर्ष 1990 से कल्याण कस्बे में घर में अकेली रहती थी।

बाजारपेठ थाने के अधिकारी ने मृतका के एक रिश्तेदार की शिकायत के हवाले से जानकारी दी कि उसका मकान मालिक उसे घर खाली करने

के लिए मजबूर कर रहा था, लेकिन महिला ने घर खाली करने से इनकार कर दिया था। अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया कि पीड़िता ने कई मौकों पर मकान मालिक द्वारा परेशान करने की शिकायत उससे की थी। वहीदाबी शिकायतकर्ता की मौसी थी। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता 13 मई 2022 को मौसी के घर गया था और वह ठीक थीं।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

घिसी-पिटी बातें...

कांग्रेस के रायपुर अधिवेशन में सोनिया गांधी ने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए जो कुछ कहा, वह सब वही है, जो वह पहले न जाने कितनी बार कह चुकी हैं। उन्होंने अपना यह पुराना आरोप तो दोहराया ही कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देश की हर संस्था पर कब्जा कर उसे बर्बाद कर दिया है, यह भी फिर से रेखांकित किया कि विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है। उनका यह आरोप भी नया नहीं कि अल्पसंख्यकों, दलितों, आदिवासियों एवं महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है। सोनिया गांधी के कथन से यदि कुछ स्पष्ट हुआ तो यही कि उनके पास कोई नया विचार नहीं। समस्या यह नहीं कि सोनिया गांधी इतने महत्वपूर्ण अवसर पर कोई नई बात नहीं कह सकीं, समस्या यह भी है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी उन्हीं की तरह वही पुराने बातें कहीं, जो वह पहले भी कहते चले आ रहे हैं। उन्होंने मोदी सरकार पर देश को तोड़ने की साजिश रचने का आरोप लगाया और यह दावा किया कि इस सरकार में बैठे लोगों का डीएनए ही गरीब विरोधी है।

उनकी मानें तो देश के लोकतंत्र को तोड़ने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने इसके विरुद्ध आंदोलन करने की भी आवश्यकता जताई। यह किसी से छिपा नहीं कि राहुल गांधी भी इसी तरह के भाषण देते रहते हैं। अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान उन्होंने शायद ही कोई नई बात कही हो। कुल मिलाकर कांग्रेस के शीर्ष नेता इसी पर जोर देते रहते हैं कि मोदी सरकार के कारण देश गड्ढे में जा रहा है। इस तरह के स्वर पिछले आठ वर्षों से सुनाई दे रहे हैं और यह किसी से छिपा नहीं कि इस अवधि में कांग्रेस राजनीतिक रूप से कमजोर ही हुई है। उचित होगा कि कांग्रेस नेतृत्व यह समझे कि वह घिसे-पिटे आरोपों से न तो देश की जनता का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर सकता है और न ही अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार कर सकता है। चूंकि कांग्रेस नेतृत्व के पास कोई नया विचार नहीं, इसलिए वह ऐसा कोई एजेंडा भी पेश नहीं कर पा रहा है, जिसे वैकल्पिक एजेंडे की संज्ञा दी जा सके। एक समस्या यह भी है कि कांग्रेस वैचारिक रूप से वामपंथी सोच से ग्रस्त होती जा रही है। वह उद्यमियों को भला-बुरा कहकर केवल उन्हें ही निशाने पर नहीं रखती, बल्कि उद्यमशीलता पर भी आघात करती है।

जिस कांग्रेस के समय देश आर्थिक उदारीकरण की ओर बढ़ा, उसी के नेता आज इस पर बल देते दिखते हैं कि सब कुछ सरकार को ही करना चाहिए। शायद इसी कारण वे निजीकरण के विरोधी बन बैठे हैं। यदि कांग्रेस अपना भला चाहती है तो उसे अपनी इस मानसिकता का भी परित्याग करना होगा कि देश की जनता ने भाजपा को केंद्र की सत्ता सौंपकर कोई गलती कर दी है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

38 हजार 386 कुत्तों की नशबंदी पर 11 साल में 4 करोड़ 57 लाख रुपये खर्च

वसई। वसई विरार शहर महानगरपालिका के एकल केंद्र नवघर में आवारा कुत्तों की नसबंदी की जाती है,अक्टूबर 2011 से अक्टूबर 2022 तक ग्यारह वर्षों में महानगर पालिका ने 38 हजार 386 कुत्तों पर 4 करोड़ 57 लाख 8 हजार 180 रुपये खर्च किये हैं। महा नगरपालिका ने नालासोपारा और वसई गांव में दो कुत्तो का नसबंदी केंद्र करने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन जगह की कमी के कारण यह प्रस्ताव अभी तक कागजों पर ही है।

शहर में इस समय आवारा कुत्तों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है । और रोजाना 20 से 30 नागरिक इन आवारा कुत्तों के शिकार हो रहे हैं. आवारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण के लिए नए केंद्र की जरूरत के बावजूद विविसीएमसी उदासीन है। विविसीएमसी की सीमा में कुत्तों की गिनती नहीं की गई है लेकिन बताया जाता है कि 45 से 50 हजार से ज्यादा कुत्ते हैं।वसई विरार में आवारा कुत्तों का खतरा बढ़ता जा रहा है। हर दिन 30 से ज्यादा नागरिकों को कुत्तों द्वारा शिकार किया जाता है, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की संख्या सबसे अधिक है। शहर में आवारा कुत्तों की संख्या के बारे में महानगर पालिका के पास कोई जानकारी नहीं है। जानवरों की गिनती के दौरान कुत्तों की संख्या भी गिनी जाती है।

लेकिन महा नगर पालिका ने पशुओं की गिनती में अपनी भागीदारी दर्ज नहीं कराई है, इसलिए महानगर पालिका के पास इसका कोई आंकड़ा नहीं है।महानगर पालिका अपने उपायों को केवल इस बात पर आधारित कर रही है कि कितने कुत्तों को टीका लगाया गया है। शिवसेना के पालघर जिला प्रमुख (अल्पसंख्यक विभाग) सलीम आर खान (उर्फ शारूख खान ने बताया कि वसई तालुका में आवारा कुत्तों की संख्या बहुत ही ज्यादा बढ़ती जा रही है ।

ये आवारा कुत्ते जगह जगह झुंड बनाकर गली मोहल्ले ,रोड पर बैठे रहते है उधर से आने जाने वाले स्कूल के बच्चे , महिला , बृद्ध लोगो को आवारा कुत्ते काट लेते है । दिन प्रतिदिन आवारा कुत्तों की जनसंख्या में लागतार इजाफा हो रहा है ।

वही महानगर पालिका के अधिकारी के अनुसार अक्टूबर 2011 से अक्टूबर 2022 तक ग्यारह वर्षों में 38 हजार 386 कुत्तों की नसबंदी कर चुकी है। वसई के नवघर में आवारा कुत्तों के लिए एकमात्र कुत्ता नसबंदी केंद्र है। वही समाज सेवक गंगा यादव का कहना है कि जब तक विविसीएमसी सीमा के भीतर वार्डवार कुत्तों की नसबंदी केंद्र नहीं होगा तब तक आवारा कुत्तों की जनसंख्या पर लगाम नहीं लगेगा। वही मनपा के रिकार्ड के अनुसार एक कुत्ते नर या मादा कुत्ते की नसबंदी (सर्जरी) में एक कुत्ते की लागत 1,190 रुपये है।

मनपा 11 वर्ष में नसबन्दी के नाम पर 4 करोड़ 57 लाख 8 हजार 180 रुपये खर्च कर चुकी हैं। इसके बावजूद शहर में आवारा कुत्तों की संख्या पर काबू नहीं पाया जा सका है। महानगर पालिका ने नागरिकों की शिकायतों को देखते हुए 2018 में तीन नए नसबंदी केंद्र बनाने का निर्णय लिया था,इसके लिए स्थानों का निरीक्षण करके खर्च की व्यवस्था की गई।

टेंडर प्रक्रिया की तैयारी की गई थी लेकिन कोरोना काल के चलते तत्कालीन आयुक्त गंगाथरन डी ने लागत का हवाला देकर काम बंद कर दिया और पुराने केंद्र को विकसित करने का प्रस्ताव दिया। महानगर पालिका ने पुराने केंद्र को विकसित किया और पिंजरों की संख्या में वृद्धि की।फिलहाल इन पिंजरों की संख्या साल में ही कम होने लगी है। वही नागरिक नए केंद्र बनाने की मांग कर रहे हैं।

वसई विरार मनपा ने संपत्ति कर वसूला 300 करोड़

वसई। वसई-विरार शहर महानगरपालिका का संपत्ति कर विभाग 23 फरवरी तक 300 करोड़ रुपये की वसूली कर चुकी है। पिछले साल की तुलना में इस साल प्रशासन ने 400 करोड़ का लक्ष्य रखा है और उस लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। ज्ञात हो कि वसई विरार शहर महानगरपालिका ने जनवरी माह तक कुल 236 करोड़ रुपए एकत्र किए थे,इसमें 64 करोड रुपये फरवरी में और जुड़ गए।

जबकि वसई विरार शहर मनपा अंतर्गत नौ लाख 27 हजार संपत्ति मालिक हैं, वहीं शत-प्रतिशत भुगतान आवंटन के लिए करदाताओं को स्मरण पत्र देकर कर अदा करने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही संपत्ति कर वसूली विभाग की टीमें औद्योगिक क्षेत्रों और नागरिक क्षेत्रों में वसूली के लिए घूम रही हैं।

प्रशासन सोशल मीडिया, ऑनलाइन और वाहनों के माध्यम से घोषणाएं कर संपत्ति कर भुगतान करने की अपील मनपा कर रहा है। जो कर टैक्स लेट में भरेगा तो दो फीसदी पेनाल्टी भी देनी है, इसलिए करदाता आगे आकर पैसा जमा कर रहे हैं। साथ ही विविसीएमसी ने बकाएदारों की हजारों संपत्तियों को सील कर दिया है और उसके बाद भी टैक्स नही भरने पर नीलामी पद्धति का उपयोग किया जाएगा, इस वजह संपत्ति के मालिक अपने घरों और दुकानों को खोने के डर से कर भुगतान के लिए आगे आने लगे हैं।

आयुक्त अनिल कुमार पवार एवं उपायुक्त समीर भूमकर प्रतिदिन संपत्ति कर संग्रह की समीक्षा कर रहे हैं और अधिक संग्रह के प्रयास किये जा रहे हैं,इस वित्तीय वर्ष को पूरा होने में एक माह शेष है और प्रतिदिन तीन करोड़ की वसूली का लक्ष्य रखा गया है। प्रशासन को मार्च के अंत तक प्रॉपर्टी टैक्स से 400 करोड़ रुपए की वसूली की उम्मीद है,वही विविसीएमसी ने आयुक्त अनिल कुमार पवार के मार्गदर्शन में अभय योजना लागू की है। जिसमे कर छूट देने का प्रावधान रखा है, लिहाजा जुमार्ने में छूट दिए जाने का फायदा मनपा को मिल रहा है।

इस योजना से 13 हजार 500 संपत्ति के स्वामी इस योजना का लाभ अब तक उठा चुके हैं और अभय योजना से कुल 9 करोड़ रुपये वसूलने में प्रशासन सफल रहा है।, उपायुक्त संपत्ति कर विभाग के उपायुक्त समीर भूमकर ने बताया कि,नागरिकों से संपत्ति कर ज्यादा से ज्यादा जमा करने की अपील की जा रही है तथा बकाया संपत्तियों को भी सील किया जा रहा है। इससे कर भुगतान के लिए नागरिकों की प्रतिक्रिया मिल रही है।

हत्या के आरोपी को पकड़ने के लिए कस्तुरबा पुलिस बनी पेंटर

न्यायालय को चकमा देकर कोरोना कॉल से था फरार, पालघर से गिरफ्तार

मुंबई। बोरीवली पूर्व कस्तुरबा मार्ग पुलिस को बड़ी सफलता हासिल हुई है,पुलिस ने हत्या के मामले में फरार आरोपी को पालघर से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है.आरोपी 6 साल पहले दहीसर इलाके में हुई हत्या के मामले में जेल से संचित अवकाश पर रिहा था लेकिन समय सीमा खत्म होने के बावजूद वह न्यायालय नही जा रहा था. कस्तुरबा पुलिस को आरोपी को पकड़ने के मालाड, कांदीवली,बोरीवली दहीसर सहित अन्य इलाके में बने फुटपाथ को खंगालने के लिए रातदिन एक करने पड़े.पकड़े गए आरोपी का नाम बादल सभाजीत वर्मा (25) है.

आपको बता दें कि कस्तुरबा पुलिस स्टेशन की हद में 2017 में एक हत्या हुई थी.हत्या का अपराधी बादल वर्मा को कस्तुरबा पुलिस ने गिरफ्तार कर ठाणे सेंट्रल जेल में भेज दिया था.लेकिन कोरोना कॉल के दौरान उसे न्यायालय ने 15 मई 2020 को संचित अवकाश पर रिहा किया था. लेकिन कोरोना कॉल के बाद भी उक्त अभियुक्त उपार्जित अवकाश पर ठाणे सेंट्रल जेल में फिर से उपस्थित नहीं हुआ.जिसके बाद सेशन कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया. कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए कस्तुरबा पुलिस ने आरोपी बादल की तलाश शुरू की.

कस्तुरबा पुलिस को न्यायालय के द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट को निष्पादित करने के लिए वरिष्ठों के मार्गदर्शन के अनुसार,एएसआई संजय कांबले और पुलिस कांस्टेबल सुदेश शेट्टी आरोपी को पकड़ने की जिम्मेदारी दी गई. पुलिस शिवाजी इलाके के उस पते पर गई जहां आरोपी पहले रहता था. वहां पता चला कि शिवाजी चाल को भी एसआरए प्रोजेक्ट के लिए खाली कर दिया गया था.पुलिस ने आरोपी की 6 पूर्व की फोटो दिखाकर जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया तो उन्होंने बताया कि उक्त आरोपी पगडंडी के ऊपर इसलिए रह रहा था क्योंकि वह नशे करता है. पुलिस उक्त आरोपी को मलाड, कांदिवली, बोरीवली, दहिसर, मीरा रोड, भायंदर की पगडंडियों पर तलाशी ली लेकिन वहां भी नही मिला. जांच करते हुए पुलिस को आरोपी के भाई संदीप वर्मा की जानकारी मिली. संदीप पेंटर है.पुलिस ने संदीप से मिलने के लिए घर का पेंटिंग का काम करने के बहाने उससे मिलने गई.

संदीप ने पुलिस को बताया उसका हत्यारा भाई टेंबुडा नाका पालघर में रहता है. 21 फरवरी को कस्तुरबा पुलिस कांस्टेबल सुदेश शेट्टी और संजय काम्बले टेंबुडा नाका जाकर आरोपी की फोटो दिखाकर गहन तलाशी ली.तलाशी के दरम्यान आरोपी रात को सड़क पर टहलते हुए दिखाई दिया,आरोपी की फोटो से मिलान और नाम की पूछताछ के बाद उसे कस्तुरबा पुलिस स्टेशन लाया गया. जिसके बाद कस्तुरबा पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआई अनिल आव्हाड और क्राइम पीआई नितिन तड़ाके और डे पीआई पुलिस निरीक्षक ऋषि इनामदार के मार्गदर्शन में आरोपी को न्यायालय द्वारा जारी गैर जमानती वारंट के बारे में बताकर उसे गिरफ्तार कर दिंडोशी कोर्ट में पेश किया गया जहां न्यायालय ने पुनः जेल कस्टडी में भेज दिया है.

इंडिगो एयर लाइंस के महिला स्टॉफ के मोबाइल की छिनैती, पुलिस को आरोपियों की तलाश

मुंबई। इंडिगो एयर लाइंस के एक महिला स्टॉफ के मोबाइल की छिनैती किए जाने का मामला सामने आया है इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस मामला दर्ज कर बाइक सवार लुटेरो की तलाश में जुटी हुई है।

गौरतलब है की गत दिनों इंडिगो एयर लाइंस में ग्राउंड स्टॉफ के तौर पर काम करने वाली मारिया महिमा दास 21 नामक युवती काम से छूटने के बाद अपने घर वडाला जा रही थी इसी बीच जब वह मेजर परमेश्वरन मार्ग से गुजर रही थी तभी दो लोग पीछे से आए और उसके हाथ से मोबाइल छीन कर रफूचक्कर हो गए।

इस मामले की शिकायत वडाला पुलिस ने मारिया के शिकायत पर दर्ज किया था।पुलिस के अनुसार घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर पुलिस आरोपियों की धर पकड़ के लिए प्रयास कर रही है।खबर लिखे जाने तक इस मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं कर पाई थी।

नालासोपारा से बच्ची का अपहरण, बिहार से आरोपी गिरफ्तार

नालासोपारा। इलाके से एक व्यक्ति ने घर के बाहर खेल रही एक साल की मासूम बच्ची का अपहरण कर लिया था। अचोले पुलिस ने आरोपी सुरक्षा गार्ड को बिहार में उसके गांव से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।पुलिस ने बताया कि बच्ची को सही सलामत बचा लिया गया और परिवार को सौंप दिया गया। पूरी घटना 15 फरवरी को नालासोपारा क्षेत्र के पडखलपाड़ा के अचोले डोंगरी में हुई थी।

जब वह बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। उसी दौरान आरोपी सुमेंद्रकुमार सुकलदास मंडल ने उसका अपहरण कर लिया। परिजनों के तलासने पर जब बच्ची नहीं मिली। तो उन्होंने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

एसएस ब्रांच की पुलिस ने 8 बाल मजदुर मुक्त कराए

मुंबई। समाज सेवा शाखा की पुलिस ने एक गुप्त सुचना पर काम करते हुए नागपाड़ा इलाके से 8 बाल मजदूरो को मुक्त कराया है।जिसमे 3 नेपाल और 5 मजदूर बिहार के बताए जाते हैं।

समाजसेवा शाखा के सहायक पुलिस आयुक्त चंद्रकांत जाधव ने बताया की हमारी पुलिस को गुप्त सुचना मिली थी की दो ठिकानों पर उच्च स्तर पर बाल मजदूरो से मजदूरी कराई जा रही है।उक्त सुचना को पक्की करके हमारी पुलिस ने तय स्थल पर तय समय पर मतलब नागपाड़ा के धोबीघाट स्थित मौलाना रोड पर अपना घेराबंदी करके 3 नेपाली और 5 बिहारी मजदूरो को मुक्त कराया है। इसके अलावा यहां के नागपाड़ा पुलिस स्टेशन में संबंधितो के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया।

संजय राउत के बयान पर भड़के शिवसैनिक, मुलुंड में किया गया आंदोलन

मुंबई। सांसद संजय राउत द्वारा बेतुका बयान देने के खिलाफ शिवसेना द्वारा मुलुंड रेलवे स्टेशन के सामने आंदोलन गुरुवार को किया गया औरशिव सैनिकों ने उनके खिलाओ जमकर नारेबाजी की । गौरतलब है कि शिवसेना का नाम और धनुष चिन्ह मिलने के बाद संजय राउत ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि एकनाथ शिंदे ने इसके लिए 2 हजार करोड़ का सौदा किया था। राउत ने सीएम शिंदे पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके अलावा उन्होंने मुख्य मंत्री के बेटे और सांसद श्री कांत शिंदे से अपने जान का खतरा बताया था। इस दौरान संजय राउत का बैनर भी फाड़ा गया। इस आंदोलन में शिवसेना सचिव संजय मशिलकर,उपनेता आनंद जाधव, विभाग प्रमुख अशोक पाटिल, मुलुंड विधान सभा प्रमुख जगदीश शेट्टी,विभाग संघटिका राज श्री मांदविलकर और अन्य शिवसैनिक शामिल थे।

महाराष्ट्र पुलिस ने जामताड़ा से जालसाजों को पकड़ने के लिए चलाया ऑपरेशन, जंगल के भीतर से 3 आरोपियों को धर दबोचा

मुंबई : दौड़ती भागती दुनिया में तेजी से बढ़ते ऑनलाइन कामकाज, आम नागरिकों समेत पुलिस तक में जागरूकता और तकनीक की जानकारी के अभाव के चलते साइबर अपराधों में वृद्धि हो रही है। हालांकि, पुलिस साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए मुस्तैद है। इसी बीच मुंबई के नागपाड़ा पुलिस ने झारखंड के जामताड़ा जिले से तीन साइबर बदमाशों को गिरफ्तार किया।

4 किमी तक आरोपियों के पीछे दौड़ी पुलिस

नागपाड़ा पुलिस की एक टीम आरोपियों को पकड़ने के इरादे से जैसे जामताड़ा पहुंची, तो आरोपियों को उनकी सूचना मिली और वो जंगल की ओर भागने लगे। ऐसे में पुलिस ने 3-4 किमी तक जंगल में आरोपियों का पीछा किया और तीनों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी जामताड़ा में ग्रामीणों की जीवन शैली से प्रेरित थे, जहां लगभग सभी के पास घर, कार और बुनियादी जरूरतों का सामान है। आरोपी मजदूर थे और उन्हें साइबर धोखाधड़ी के बारे में ट्रेनिंग दी गई थी कि कैसे लोगों को ठगा जा सकता है।

आरोपियों की पहचान जामताड़ा जिले के सत्तार अंसारी (28), रियाज अंसारी (21) और नजीर अंसारी (28) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी प्रमुख कूरियर कंपनी की फर्जी वेबसाइट बनाकर तेज और सस्ती कूरियर सेवाएं प्रदान करने का दावा करते हुए देशभर के लोगों को चूना लगा रहे थे।

गांव के लोगों ने दी थी ट्रेनिंग

आरोपी पिछले 4-5 महीने से जंगल के भीतर से फजीर्वाड़े को अंजाम दे रहे थे और गांव के लोगों ने उन्हें इसकी ट्रेनिंग दी थी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, स्थानीय साइबर टीम की सूचना के आधार पर पुलिसकर्मियों ने घने जंगल के भीतर कम से कम 3-4 किमी तक आरोपियों का पीछा किया और उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, जामताड़ा में आरोपियों की गिरफ्तारी वाला ऑपरेशन काफी मुश्किल था। नागपाड़ा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी महेश कुमार ठाकुर ने बताया कि अधिकांश पीड़ितों ने गूगल पर एक विशेष कूरियर कंपनी को सर्च किया और आरोपियों द्वारा बनाई गई फर्जी वेबसाइट पर पहुंच गए। ऐसे में ग्राहक कूरियर कंपनी को जैसे ही फोन करते, तो आरोपी ग्राहक को बताता कि आपके पास दूसरे नंबर से फोन आएगा।

उन्होंने कहा कि ग्राहक को दूसरे नंबर पर फोन आता है और उन्हें एक लिंक प्रदान किया जाता है। ऐसे में ग्राहक को 5 रुपये का भुगतान करने के लिए कहा जाता है और जैसे ही ग्राहक भुगतान करता तो आरोपी उसके फोन का नियंत्रण हासिल कर लेते थे और उनके खाते से पैसे गायब कर देते थे।

तलोजा MIDC क्षेत्र से फैल रहा वायु प्रदूषण, लोक आयुक्त ने दिया SIT गठित करने का आदेश

नवी मुंबई : तलोजा एमआईडीसी क्षेत्र में रासायनिक कारखानों द्वारा छोड़ी जाने वाली वायु को लेकर तलोजा और आसपास के नागरिकों से लगातार शिकायतें मिल रही थी। इस जिसे गंभीरता से लेते हुए लोक आयुक्त वी.एस. कानड़े ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में लोक आयुक्त ने तलोजा एमआईडीसी की कंपनियों से छोड़ी जाने वाली वायु के स्तर की निगरानी के लिए एक विशेष जांच दल गठित करने का आदेश राज्य सरकार के पर्यावरण विभाग को दिया है।

गौरतलब है कि आदर्श सामाजिक संगठन ने मुंबई के लोक आयुक्त से शिकायत की है कि तलोजा एमआईडीसी क्षेत्र से रात में निकलने वाले रासायनिक प्रदूषण से तलोजा, खारघर, रोडपली, कलंबोली और आसपास के गांवों के निवासी पीड़ित हैं। जिसकी पहली सुनवाई में लोक आयुक्त ने आदेश दिया था कि रसायनों की तेज गंध से क्षेत्रवासियों को हो रही परेशानी की लिखित जानकारी राज्य सरकार और लोक आयुक्त कार्यालय को दी जाए। इसके अनुसार, नवी मुंबई में महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों द्वारा टीम के साथ औद्योगिक क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान देखा गया कि रसायनों की तेज गंध थी, जबकि पनवेल तहसीलदार विजय तालेकर के कार्यालय द्वारा गठित टीम ने रिपोर्ट सौंपी कि तलोजा औद्योगिक क्षेत्र और आसपास के गांवों और कॉलोनियों में तेज गंध थी।

पनवेल तहसील कार्यालय से रिपोर्ट मिलने के बाद जन आयुक्त कानडे ने महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और तलोजा एमआईडीसी के अधिकारियों को यह पता लगाने का निर्देश दिया कि किस कंपनी से हानिकारक गैसें और खतरनाक गैसें छोड़ी जा रही हैं। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने प्रदूषण के साथ-साथ पानी और हवा की गुणवत्ता को मापने के लिए मीटर या तकनीकी उपकरण लगाने का सुझाव दिया।

पत्नी के साथ नाजायज संबंध शक के चलते छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या...

उल्हासनगर : उल्हासनगर में बड़े भाई की छोटे भाई द्वारा हत्या करने की घटना सामने आई है। अपने सगे भाई को मौत के घाट उतारने वाले आरोपी को पुलिस ने घटना के बाद कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। मामला शहाड फाटक इलाके का है। दो भाई रोहित गांगुर्डे और अमित गांगुर्डे शहाड परिसर के निवासी हैं और दोनों भाई ऑटो रिक्शा चालक हैं। अमित को शक था कि उसके बड़े भाई रोहित का उसकी पत्नी के साथ नाजायज संबंध हैं। इस शक के चलते अमित ने बड़े भाई रोहित के सिर पर मसाला पीसने वाले पत्थर से कई बार

हमला कर हत्या कर दी।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप फूलपगारे के मार्गदर्शन में आगे की जांच शुरू की गई है। वहीं पुलिस ने बताया कि इस मामले के आरोपी अमित गांगुर्डे को उल्हासनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को शक है कि इस हत्या में आरोपी के साथ कोई और व्यक्ति भी शामिल हो सकता है।

महाराष्ट्र के दो जिलों के नाम बदलने को लेकर केंद्र की हरी झंडी

मुंबई। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर कर दिया है। वहीं, उस्मानाबाद का नाम धाराशिव करने की मंजूरी भी दे दी है।

बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने पहले ही इसका एलान कर दिया था। अब इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार द्वारा भी मंजूरी मिल गई है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट करते हुए इसकी जानकारी दी है।

देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट में जिले के नाम बदलने की जानकारी साझा करते हुए पीएम मोदी और अमित शाह को इस फैसले के लिए धन्यवाद दिया।

पहली बार हुई देशी-विदेशी पक्षियों की गणना

पालघर। यहां खूबसूरत समुद्री तटों पर मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिलते हैं। ऐसे में विदेशी पक्षी हजारों किलोमीटर का सफर तय करके यहां अपना प्रजनन करने पहुंचते हैं। जिससे साल के ज्यादार महीनों में यहां के समुद्री तट पर विभिन्न प्रकार के दुर्लभ पक्षियों का जमावड़ा रहता है।

इन दिनों पालघर का माकुनसार गांव विदेशी मेहमानों की चहचहाहट से गुलजार हो रहा है। माकुनसार ग्राम पंचायत की पहल पर पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के अध्ययन के रूप में पक्षियों की गिनती करवाई गई। ताकि इन पक्षियों का सरंक्षण किया जा सके। सह्याद्री मित्र संस्था और नेस्ट संस्था की टीम ने माकुनसार खाडी, मालजुई

बांध और खारलैंड में पक्षियों की देशी और विदेशी प्रजातियों की गणना की। माकुनसार क्षेत्र विभिन्न पक्षियों के लिए सबसे अच्छा निवास स्थान बनता जा रहा है। यहां की खाड़ी और मीठे पानी के बांध, खारलैंड और पूर्व से पश्चिम में जंगली क्षेत्रों में कई स्थानीय और दुर्लभ विदेशी पक्षी देखे जाने लगे हैं।

जानकारो का कहना है कि यहां के खारलैंड में पक्षियों को आसानी से भोजन मिल जाता है। पक्षियों को देखने के लिए लोग भी पहुंच रहे है। सामाजिक कार्यकर्ता नागेश वर्तक की पहल पर वसई विरार शहर महानगरपालिका की तरह यहां भी पक्षियों की गणना की शुरूवात की गई।माकुनसार में हुई पक्षियों की गणना के लिए माकुनसार, सफाले, केलवे, पालघर, बोईसर, चिंचनी और मुंबई के पक्षी प्रेमियों सहित नेस्ट के आशीष बाबरे, प्रीतम घरत और सह्याद्री मित्र के निकेत पाटिल, दीपक पाटिल, उमेश पाटिल आदि शामिल रहे। गणना में पक्षियों की यहां कुल 91 प्रजातियों को पाया गया। इनमें से 36 प्रवासी पक्षी प्रजातियों के साथ 55 स्थानीय पक्षी की प्रजातियों को पाया गया।

प्रवासी पक्षियों में अमूर फाल्कन, साइबेरियन स्टोनचैट सैंडपाइपर, वूली नेक स्टॉर्क पेंटेड स्टॉर्क, यूरेशियन स्पूनबिल, ग्रे बगुला, एरगोट्स शामिल हैं। स्थानीय पक्षियों में तित्वी, होल, खांड्या,वेडाराघू, सुभग, कोतवाल, बुलबुल, चिराक, शिंजिर, तुतारी और महाराष्ट्र का दुर्लभ राज्य पक्षी हरोली (पीला पैर वाला हरा कबूतर) पाया गया।

माकुनसार में पक्षियों की गणना के रिकॉर्ड एशियन बर्ड सेंसस, ई-बर्ड, बीएनएचएस और वन विभाग-महाराष्ट्र सरकार को भेजे जाएंगे। इससे विश्व पटल पर विविध प्रकार के पक्षी पाए जाने वाले स्थान के रूप में माकुनसर गांव को भी एक पहचान मिलेगी। एनईएसटी के विशेषज्ञों का कहना है,कि यहां के खारलैंड को संरक्षित किया जाना चाहिए।

बेरोजगारो को रोजगार देने की आड़ में ठगी

तीन आरोपी गिरफ्तार, वाट्सअप पर लिंक भेजकर बनाते थे शिकार

मुंबई। वीपी रोड पुलिस ने नौकरी के इच्छुक लोगों को ठगने वाले तीन संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार कर एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है।इस मामले की

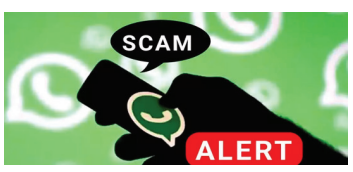

शिकायत दर्ज कराने वाली गिरगाँव की एक 31 वर्षीय महिला है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक महिला को वादा करके 2.65 लाख की ठगी की गई थी।उसे उसके वाट्सअप पर लिंक भेज कर उसको ह्यलाइकह्न करके जल्दी पैसा कमा लेने का आश्वासन दिया गया।महिला ने पुलिस को बताया कि उसे व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया जिसमें योजना की जानकारी दी गई थी।उसने दिलचस्पी दिखाई और उसे व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा गया।उसके बैंक विवरण के बारे में पूछा गया और उक्त लिंक लाइक करते ही उसके खाते में 1,450 रुपए जमा कर दिए गए।जिसके चलते उक्त महिला ने काम करने का फैसला किया और धोखेबाजों के कहने पर प्रसंस्करण शुल्क के लिए 2,65,574 उसने स्थानांतरित कर दिए।

हालाँकि उसे समीक्षा के लिए कोई नया लिंक नहीं मिला और उसे और पैसे जमा करने के लिए कहा गया।उसके बाद 10 से अधिक बैंक खाते महिला को प्रूफ के लिए वॉटसअप पर भेज कर एहसास कराया गया की तुम्हारा भी काम होगा। लेकिन उसके बाद से वह नंबर और वाट्सअप बंद हो गया।उसके बाद महिला को जब यह लगा की उसके साथ ठगी हुई है तब उसने वीपी रोड पुलिस से शिकायत की जिसके बाद गिरफ्तारियां की गईं।संदिग्धों में से दो राजस्थान के हैं जबकि तीसरा हरियाणा का रहने वाला बताया जाता है।उक्त तीनो लोग मुंबई के दाना बंदर इलाके में एक किराए के कार्यालय से घोटाले को चला रहे थे।वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक किशोर शिंदे के अनुसार संदिग्धों के पास फर्जी कंपनियों के नाम पर 10 से अधिक बैंक खाते हैं।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com